



निर्णय दिनांक 29/9/2022

संक्षेप में प्रकरण इस प्रकार है कि तहसीलदार शाहपुरा के पत्र क्रमांक मू0अ0/2017/529 दिनांक 6.6.2017 के द्वारा रास्ते संबंधी समस्याओं के निराकरण हेतु ग्राम राजपुरा तहसील शाहपुरा के खसरा नम्बर 551/819, 551/3, 552, 554/1, 554/2, 561, 553, 555, 549, 548, 47, 541, 530, 542, 543, 531, 501, 496, 494/1, 494/2, 495, 430, 432, 433, 461, 458, 157, 544, 540, 502, 477, 529, 515, 516, 503/1, 431, 475, 462, 463 में आंशिक भाग में से शेकर चालू रास्ते के रूप में काम आने से राजस्व रिकार्ड व नक्शा ट्रेस में रास्ता दर्ज करने हेतु प्रकरण अन्तर्गत धारा 131, 132 एलआर एक्ट के तहत पेश किया गया। प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया गया। अप्रार्थीगण को सुनवाई का अवसर दिये जाने हेतु न्यायालय हाजा के द्वारा नोटिस जारी किया गया। अप्रार्थीगण की ओर से श्री रविशंकर अग्रवाल ने वकालतनामा तथा आपत्ति प्रार्थना पत्र पेश किया गया तथा अप्रार्थीगण की ओर से मौका कमिश्नर नियुक्त हेतु प्रार्थना पत्र पेश किया गया जिस पर एव आपत्ति प्रार्थना पत्र पर बहस सुन कर दिनांक 19.7.2017 को तहसीलदार शाहपुरा को आपत्ति प्रार्थना पत्र की प्रति भेजकर मौका रिपोर्ट भिजवाने हेतु निर्देशित किया गया।

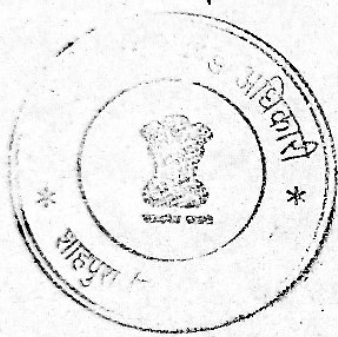
तहसीलदार शाहपुरा ने अपने पत्र क्रमांक मू0अ0/18/6146 दिनांक 4.9.2018 के द्वारा पोर्ट प्रेषित कर जाहिर किया गया कि आ0ख0नं0 554 की दक्षिणी सीमा पर नजरी नक्शानुसार शाया गया कदीमी रास्ता वास्तविक रूप से मौके पर आ0,10नं0 552 व 553 की दक्षिणी सीमा के पास है जो कि नक्शे व मौके में अन्तर होने के कारण सहवन से आ0ख0नं0 554 की दक्षिणी सीमा पर नजरी नक्शे में दर्शित कर दिया गया है जो त्रुटियुक्त है। तहसीलदार शाहपुरा ने अपनी पोर्ट में यह भी जाहिर किया कि कुछ व्यक्ति वर्तमान राजस्व नक्शे के अनुसार तथा कुछ व्यक्ति सेटलमेन्ट के राजस्व नक्शे के अनुसार रास्ता कटवाना चाहते हैं इसको लेकर दोनों पक्षों में झगड़ की स्थिति बनी हुई है। प्रकरण में तहसीलदार शाहपुरा को पुनः इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 436 दिनांक 24.2.2022 के द्वारा मौके व राजस्व रिकार्ड की रिपोर्ट पक्षकारान की उपस्थिति करने हेतु निर्देशित किया गया। तहसीलदार शाहपुरा के द्वारा प्रकरण में अपने पत्र क्रमांक राजस्व/22/297 दिनांक 5.4.22 के द्वारा टीम गठित कर मौका पर्चा रिपोर्ट प्रेषित की गई। उक्त रिपोर्ट के सम्बन्ध में आपत्ति प्रार्थना पत्र पेश कर मौका रिपोर्ट निरस्त कर पुनः मौका रिपोर्ट जाने हेतु निवेदन किया गया। अप्रार्थीगण के द्वारा श्रीमान जिला कलक्टर महोदय जयपुर के यहां तकिल प्रार्थना पत्र पेश किया गया। जिसके आदेश दिनांक 20.6.2022 के द्वारा प्रकरण में अप्रार्थीगण एवं अन्य पक्षकारान को सुनवाई एवं साक्ष्य प्रस्तुत कराने का समुचित अवसर दिया जाकर गावगुण एवं मैरिट के आधार पर प्रकरण का निस्तारण यथा सम्भव 2 माह में करने के निर्देशित किया गया। श्रीमान जिला कलक्टर महोदय जयपुर के आदेश की पालना में तहसीलदार शाहपुरा दिनांक 5.4.2022 के द्वारा मौका रिपोर्ट उभय पक्ष को सूचित कर तैयार की गई है या नहीं की रिपोर्ट हेतु लिखा गया तथा उभय पक्ष को नोटिस न्यायालय हाजा से जारी किये गये। तहसीलदार शाहपुरा ने अपने पत्र क्रमांक राजस्व/22/748 दिनांक 29.7.2022 के द्वारा जाहिर किया गया कि दिनांक 23.3.2022 व 24.3.2022 को गठित संयुक्त टीम द्वारा चालू रास्ते के प्रभावित खसरा नम्बरान के खातेदारों व पक्षकारान की मौजूदगी में मुश्किल बिन्दुओं को आधार मानकर माझान एवं रास्ते की जांच की गई जिसमें खातेदार एवं पक्षकार उपस्थित रहे हैं। उक्त रिपोर्ट पत्र होने पर उभय पक्ष की प्रकरण में बहस सुनी गई। प्रकरण में दोराने बहस नाथूलाल ओंकरमल ने जाहिर किया कि उक्त मौका रिपोर्ट से हम असहमत हैं चूंकि अप्रार्थीगण ने अपने पास हेतु चालू रास्ते को दर्ज करने हेतु यह प्रस्ताव प्रेषित किया है जबकि अन्य बहुत सी गणियां हैं जहां भी सड़क बनी हुई है उनको शामिल नहीं किया गया है इसी प्रकार रामकरण पुत्र रदुराम कपूरिया ने जाहिर किया मेरी जमीन 4-5 खेतों में से रास्ते हेतु प्रस्तावित की है लेकिन मेरी धरती मेरे घर पर तक जो कि लगभग 20 मीटर ही है रास्ता नहीं दे रहे हैं। वकील अप्रार्थी ने अपनी बहस में जाहिर किया कि उक्त प्राप्त प्रस्ताव में कई खातेदार फौत हो चुके हैं लेकिन उनके रिसान को कोई नोटिस नहीं दिया गया है तथा मौका रिपोर्ट में विरोधाभास है इसलिए प्रार्थना पत्र रिज किया जावे। वकील प्रार्थी ने अपनी बहस में श्रीमान जिला कलक्टर महोदय जयपुर को द्वारा प्रकरण को 2 माह में निरस्तारण करने के निर्देश की पालना हेतु निवेदन किया गया।

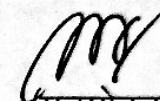
उप खण्ड अधिकारी
शाहपुरा (जयपुर) पञ्चस्थान

हमने उभय पक्ष की बहस पर मनन किया तथा पक्षकारान द्वारा पेश आपत्ति व दलीलों को ज्ञान में रखते हुए प्रकरण का गहनता से अध्ययन किये जाने पर पाया गया कि तहसीलदार शाहपुरा के द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में विरोधाभास है तथा खातेदारों में आपसी सहमति नहीं है कुछ खातेदारों के पहुँच मार्ग होने से सहमत है तथा कुछ खातेदार जिनके अपने आवास तक पहुँच नहीं होने से अपनी भूमि में से रास्ता दर्ज करने में असमति जाहिर की है साथ ही प्रकरण में यह भी पाया गया कि कुछ खातेदार फौत हो चुके हैं। इस प्रकार प्रकरण में तहसीलदार शाहपुरा से प्राप्त स्ताव अनुसार रिकार्ड में रास्ता दर्ज हेतु विरोधाभास होने के कारण राजस्व रिकार्ड में रास्ता दर्ज करना उचित प्रतीत नहीं होता है।

अतः प्रकरण में विरोधाभाषी तथ्यों की नये सिरे से जांच कर पुनः पेश करने की स्वतंत्रता के साथ प्रकरण राज० भू राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 131 व 132 के तहत प्रकरण पोषणीय नहीं होने से खारिज किया जाता है। पत्रावली फ़ैसल सुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।

निर्णय आज दिनांक 29/9/2022 को सरै इजलास सुनाया गया।




(मनमोहन)
उपखण्ड अधिकारी
शाहपुरा (जयपुर)